

## संपादकीय

### आतंक पर नकेल

पुलवामा हमले के तीन हफ्ते बाद पाक ने कथित तौर पर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों पर कार्रवाई शुरू की है। जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के बेटे हमाद अजहर तथा भाई अब्दुल रुक्स प्रमेत 40 ऐसे आतंकवादी हिंसात से लिया है, जिनका किसी तरह इन संगठनों से नाता है। इमरान सरकार ने कई मदरसों और मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड हफीज ईर्द की रहनुमाई में चल रहे जमात-उद-दावा तथा इसकी विंग फ्लाई-ए-इंसानियत फाउंडेशन से जुड़ी संपत्ति को भी नियंत्रण में लिया है। पाक दिल्ली की कोशिश में है कि यह पग उसने किसी दबाव में आकर नहीं उठाया, मगर यदि ईमानदारी होती तो पहले पहल होती। शुरू से इस पड़ोसी मुल्क का ट्रैक रिकार्ड कभी भी संदेह से परे नहीं रहा। ऐसे पहले उठाये कदम अंखों के धोखे ही साखित हुए। गत तजुबे ही थे बताने के लिए काफी हैं कि 2001 में हुए संसद पर हमले, 2008 के मुंबई कांड और 2016 में पठानकोट एयरबेस पर आ मण के बाद भी पाक में आतंकवाद की फैक्टरियां क्यों चल रही हैं? फिर इस बार ऐसा क्या है जिस पर एतबार किया जाए कि पाक की नीयत नापाक नहीं।

कहना जल्दबाजी होती कि सीमा पार बदलाव की बायर बहनी शुरू हो गयी है। गत मंगलवार को ही पाक ने ऐलान किया था कि करतारपुर कॉरिडोर समझौता मसौदे पर विचार के लिए 14 मार्च को प्रतिनिधिमंडल भारत भेजेगा। इसके बाद भारतीय ने केट टीम 28 मार्च को इस्लामाबाद का दोरा करेगी। चूंकि गुरुनानक देव के 550वें जन्मशताब्दी समारोह में अभी आठ माह ही शेष बचे हैं, यह राजनीतिक पहल द्विष्टीय तानाव कम कर सकती है। विश्वास बहाती का दूसरा पग इमरान खान के निर्देश पर पाक की पंजाब प्रांत सरकार द्वारा उठाया गया है, जिसमें प्रदेश के सूचना व संस्कृति मंत्री फैजुलहसन चोहान को हिन्दू विरोधी बयान देने पर पद से बर्खास्त करना है। जो बताता है कि पाक सम्बन्ध सामान्य करने की कोशिश में है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर धैरेंबंदी करने के बाद अब भारतीय नेतृत्व पर निर्भर है कि वे इस बार भी देश को ठोंग जाने से कैसे बचाते हैं?

### 14 मार्च से लग रहे हैं होलाष्टक, जानें क्या होता है होलाष्टक

गुरुवार, फाल्युन शुक्रलपक्ष अष्टमी 14 मार्च से फाल्युन नहीं लगता था। दूसरे बच्चों पर प्रह्लाद की विष्णु भक्ति का प्राप्तव पड़ता देख पहले तो पिता हिरण्यकशिषु ने उसे समझाया। फिर न मानने पर उसे भक्ति से अच्छा माना जाता है। इसे भक्त प्रह्लाद का प्रतीक माना जाता है। सत्यगुण में हिरण्यकशिषु ने घोर तपस्या करके ब्रह्मा जी से वरदान पा लिया। वह पहले विष्णु का जय नाम का पार्वद था, लेकिन शाप की वजह से दैत्य के रूप में उसका भयहीत नहीं हुए और विष्णु कृपा से हर बार बच गए। इसी प्रकार सात दिन आपने भाई हिरण्यकशिषु ने अपने भाई हिरण्यकशिषु की देवताओं सहित सबको हरा दिया। उधर भगवान विष्णु ने अपने भक्त के उद्धार के लिये से जलने का वरदान दिया था, अपना अंश उसकी पत्नी कशाधू के गर्भ में पहले ही स्थापित कर दिया था, जो प्रह्लाद के रूप में पैदा हुए।

प्रह्लाद का विष्णु भक्त होना प्रति हिरण्यकशिषु को अच्छा



भयहीत नहीं हुए और विष्णु कृपा से हर बार बच गए। इसी प्रकार सात दिन आपने भाई हिरण्यकशिषु की देवताओं सहित सबको हरा दिया। उधर भगवान विष्णु ने अपने भक्त के उद्धार के लिये से जलने का वरदान दिया था, अपना अंश उसकी पत्नी कशाधू के गर्भ में पहले ही स्थापित कर दिया था, जो प्रह्लाद के रूप में पैदा हुए।

प्रह्लाद का विष्णु भक्त होना प्रति हिरण्यकशिषु को अच्छा

भयहीत नहीं हुए और विष्णु कृपा से हर बार बच गए। इसी प्रकार सात दिन आपने भाई हिरण्यकशिषु की देवताओं सहित सबको हरा दिया। उधर भगवान विष्णु ने अपने भक्त के उद्धार के लिये से जलने का वरदान दिया था, अपना अंश उसकी पत्नी कशाधू के गर्भ में पहले ही स्थापित कर दिया था, जो प्रह्लाद के रूप में पैदा हुए।

प्रह्लाद का विष्णु भक्त होना प्रति हिरण्यकशिषु को अच्छा

भयहीत नहीं हुए और विष्णु कृपा से हर बार बच गए। इसी प्रकार सात दिन आपने भाई हिरण्यकशिषु की देवताओं सहित सबको हरा दिया। उधर भगवान विष्णु ने अपने भक्त के उद्धार के लिये से जलने का वरदान दिया था, अपना अंश उसकी पत्नी कशाधू के गर्भ में पहले ही स्थापित कर दिया था, जो प्रह्लाद के रूप में पैदा हुए।

### शकरपारे बनाने की विधि जानिए



देर के लिए छोड़ दें।

2- अब इस आटे की लोई बनालें और फिर इसे मोटा बेल लें, अब चाकू की मदब से आया आया इंच के टुकड़ों में काटे और दूसरी ओर से भी इसे उत्तर हसरे करों। जिससे ये चौकोर बन जाए। इसी तरह से सारे शकरपारे बनालें।

3- अब एक कढ़ाई में धी डालकर गर्म करें। गर्म हो जाने पर तैयार किए हुए शकरपारे को डालकर ब्राउन होने तक तल लें।

4- चाचानी बनाने के लिए एक कढ़ाई को गैस पर रख कर गर्म करें। अब इसमें चीनी और पानी डालकर उबलने दे। जब चीनी पानी में छुल जाए तो इसे थोड़ी देर पकाने के बाद गैस से उतारें। अब तैयार किए हुए शकरपारे को चाचानी में डालकर अच्छे से मिक्स करें, और थोड़ा थोड़ा पानी डालते हुए मुलायम आटे की तरह गूंथ तें। अब इस आटे को गीले कपड़े से ढक कर थोड़ी

में भरकर रख दें।

5- लैंगियो आप के शकरपारे तैयार हैं।

अब इन्हें हाथों से एक पर्यटक डिब्बे में

भरकर रख दें।

### शकरपारे बनाने की विधि जानिए



देर के लिए छोड़ दें।

2- अब इस आटे की लोई बनालें, अब चाकू की मदब से आया आया इंच के टुकड़ों में काटे और दूसरी ओर से भी इसे उत्तर हसरे करों। जिससे ये चौकोर बन जाए। इसी तरह से सारे शकरपारे बनालें।

3- अब एक कढ़ाई में धी डालकर गर्म करें। गर्म हो जाने पर तैयार किए हुए शकरपारे को डालकर ब्राउन होने तक तल लें।

4- चाचानी बनाने के लिए एक कढ़ाई को गैस पर रख कर गर्म करें। अब इसमें चीनी और पानी डालकर उबलने दे। जब चीनी पानी में छुल जाए तो इसे थोड़ी देर पकाने के बाद गैस से उतारें। अब तैयार किए हुए शकरपारे को चाचानी में डालकर अच्छे से मिक्स करें, और थोड़ा थोड़ा पानी डालते हुए मुलायम आटे की तरह गूंथ तें। अब इस आटे को गीले कपड़े से ढक कर थोड़ी

में भरकर रख दें।

5- लैंगियो आप के शकरपारे तैयार हैं।

अब इन्हें हाथों से एक पर्यटक डिब्बे में

भरकर रख दें।

## ईरानी तेल निर्यात शून्य करने का इरादा : पोमिओ

हॉस्टन (आरएनएस)। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक कर रहा है जबकि अन्य राष्ट्र अपने ऊर्जा संसाधनों का पोमिओ ने एक ऊर्जा सम्मेलन में कहा कि अमेरिका का इरादा जल्द से जल्द ईरान के तेल निर्यात को शून्य करना है। पोमिओ ने कहा, ईरानी तेल निर्यात को हर हाल में जल्द से जल्द शून्य करने का हमारा इरादा है।

उन्होंने ने स्पष्ट किया कि अमेरिका ईरान के खिलाफ प्रतिबंधों को तब तक जारी रखेगा जब तक ईरान अमेरिकी विदेश मंत्री के अनुसार युरोप एवं पश्चिम एशिया में अहिंसक व्यवहार बंद नहीं करेगा।

विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका अपनी ऊर्जा संसाधनों को बढ़ावा देने के लिए किसी देश के बाद तेल को बढ़ावा देने के लिए



पोमिओ अहिंसक व्यवहार के लिए करते हैं। पोमिओ ने दक्षिण चीन सागर में चीन के अवैध द्वीप निर्माण का उल्लेख किया जो आसियान देशों को 2.5 खरब से से अधिक पाने याय संसाधनों तक पहुंचने से रोक रहा है।

उन्होंने ने कहा कि इसके अलावा अमेरिका नहीं चाहता है कि उसके युरोपीय सहयोगी नॉर्ड स्ट्रीम 2

पाइपलाइन के माध्यम से रूसी गैस पर निर्भर रहें। उन्होंने

दावा किया कि रूस ने यूक्रेन पर राजनीतिक दबाव बनाने के लिए अपनी पाइपलाइन का इस्तेमाल किया।

मुंबई (आरएनएस)। टेलीकॉम क्षेत्र की प्रमुख कंपनी, भारती एयरटेल, नेटल अधिग्रहण 18 मार्च को या उसके बाद होगा। सौदे के लिए शेयरों की कीमत ईफ्ट्रास्ट्रक्चर इंवेस्टमेंट्स को करीब 32

भारती एयरटेल में हिस्सेदारी बटाएगी। ईफ्ट्राटेल ने एक नियामकीय फाइलिंग में इस बात की जानकारी दी। नियामकीय फाइलिंग में कहा गया है कि भारती ए